Second Year Examination of the Three- Year Degree Course, 2001

(Faculty of Humanities)
HINDI LITERATURE

(हिन्दी साहित्य)

Paper-I

(मध्यकालीन काव्य)

Time : 3 Hours
[Maximum Marks :100]

1. निम्नांकित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(क) रावरे रूप की रीति अनूप,
नयो-नयो लागत ज्यों ज्यों निहारियै।
त्यौं इन आँखिन बानि अनोखी,
अथानि कहूँ नहीं आनि तिहारियै।।
एक ही जीव हुतौ सुतौ वारयौ,
सुजान सकोच औ सोच सहारियै।
रोंकि रहै न दहै घनआनंद,
बावरी रीझि के हाथनि हारियै।। 10

अथवा

या अनुरागी चित्त की, गति समुझे नहीं कोय।
ज्यों ज्यों बूडे स्याम रँगु, त्यों त्यों उज्जलु होय।।
दृग उरझत टूटत कुटुम, जुरत चतुर चित्त प्रीति।
परति गाँठ दुरजन हियै, दई नई यह रीति।।

(ख) लीने सुधराई संग सोहत ललित अंग,
सुरत के काम के सुधर ही बसति है।
गौरी नव रस रामकरी है सरस सोहे,
सूहे के परस कलियान सरसति है।।
सेनापति जाके बाँके रूप उरझत मन,
बीना में मधुर नाद सुधा बरसति है।
भूणरी झनक माँझ सुमग तनक हम,
देखी एक बाला राग माला-सी लसति है।। 10

अथवा

ऐसी न देखी सुनी सजनी घनी बाढ़त जात वियोग की बाधा।
त्यों पद्याकर को तब तों कल है न कहूँ पल आधा।।
लाल गुलाल घलाघल में दृग ठोकर दै गयी रूप अगाधा।
कै गयी कै चेटक सी मन लै गयी लै गयी राधा।।

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com

(ग) मत्त दंति अमत्त हवै गए देखि-देखि न गज्जहीं।
ठौर-ठौर सुदेद्दा केशव दुन्दुभी नहीं बज्जहीं ।।
डारि-डारि, हथ्यार सूरज जीव लै-लै भज्जहीं।
काटि कै तनत्राण कहि नारि भेषन सज्जहीं।। 10

अथवा

देखि-देखि के असोक राजपुत्रिका कह्यौ।
देहि मोहि आगि तै जो अंग आजि हवै रह्यौ।।
ठौर पाइ पौन पुत्र डारि मुद्रिका दई ।
टास-पास देखि कै उठाइ हाथ कै लई।।

2. पठित अंश के आधार पर बिहारी की काव्यकला का विश्लेषण कीजिए।

अथवा

'भूषण वीर रस के कवि है' - इस कथन से आप कहां तक सहमत है? 15

3. रीतिमुक्त काव्य परंपरा में धनानंद का स्थान निर्धारित करें।

अथवा

पद्माकर की काव्यगत विशेषताओं का उदाहरण सहित विश्लेषण करें। 15

4. रामचन्द्रिका के प्रबन्ध-सौष्ठव पर अपने विचार अभिव्यक्त करें।

अथवा

रामचन्द्रिका का कौन-सा अंश आपको सर्वाधिक प्रिय है और क्यों? 15

5. (क) रीतिकाल की प्रेरक परिस्थितियों का विस्तृत विश्लेषण कीजिए। 10

अथवा

रीतिसिद्ध कवियों की काव्यगत विशेषताएं बताइए।

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** पर टिप्पणी लिखें:

(i) मतिराम। 5

(ii) नायिका भेद।

6. (क) किसी **एक** रस को उदाहरण सहित समझाएं। 5

अथवा

अभिधा शक्ति का स्वरूप विश्लेषण करें।

(ख) काव्यगुण से आप क्या समझते है? विविध काव्यगुणों का विश्लेषण करें। 5

अथवा

अश्लीत्व दोष को उदाहरण सहित समझाइये।

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com